

तुङ्ग — तुङ्ग

353

12372. R. 6, 96, 8. तुङ्गप्रथमविमिश्रेण चन्दनेन MBH. 1, 4954. अलक्तं पद्मकं तुङ्गे गन्धाद्योच्चावचान् 12, 9346. तुङ्गरस 1, 4951. Kokosnuss RĀGĀN. im ÇKDR. — g) N. pr. eines Mannes RĀGĀ-TAR. 6, 318. 322. 7, 4. 7. fgg. — 3) f. झा a) N. eines Baumes (s. शमी). — b) = तुगा Bambusmanna RĀGĀN. im ÇKDR. — c) ein best. Metrum (4 Mal ~~~~~) COLEBR. Misc. Ess. II, 139 (III, 8). — d) N. pr. eines Flusses LIA. I, 167. 376, N. 3. — 4) f. ई a) eine Art Ocimum (वर्चरा) AK. 2, 4, 5, 5. H. an. MED. (lies °वर्चयो: st. °वर्चवयो:). — b) Gelbwurz, = करिद्रा H. an. = निशा (auch Nacht; vgl. c) MED. — c) Nacht TRIK. 1, 1, 104. H. 143, Sch. — 5) n. Staubfaden der Lotusblüthe RĀGĀN. im ÇKDR.

तुङ्गक 1) m. = तुङ्ग Rottleria tinctoria Roxb. ÇABDAR. im ÇKDR. — 2) n. N. pr. eines heiligen Waldes: तदरप्यं प्रविष्टस्य तुङ्गकम् — पापं प्रणश्यत्यखिलम् MBH. 3, 8195. तुङ्गकारण्य 8198. Vgl. भृगुतुङ्ग.

तुङ्गकूट (तुङ्ग + कूट) N. pr. eines Wallfahrtsortes VĀRĀHA-P. in Verz. d. Oxf. H. 60, a, 38.

तुङ्गधन्वन् (तुङ्ग + धन्व) m. N. pr. eines Königs von Suhma DAÇAK. 142, 4.

तुङ्गनाभ (तुङ्ग + नाभि) m. ein best. giftiges Insect SUÇR. 2, 288, 15.

तुङ्गप्रस्थ (तुङ्ग + प्रस्थ) m. N. pr. eines Berges VP. 180, N. 3.

तुङ्गबल (तुङ्ग + बल) m. N. pr. eines Kriegers HR. 39, 18.

तुङ्गभ (तुङ्ग + भ) n. das Haus, in welchem der Höhestand eines Planeten stattfindet, der Höhestand VĀRĀH. BRH. 7, 1. 6.

तुङ्गभद्र (तुङ्ग + भद्र) 1) m. ein Elephant in der Brunstzeit H. an. 4, 253. MED. r. 263 (lies: मदेत्कटे). — 2) f. झा N. pr. eines Flusses im Dekhan H. an. MED. LIA. I, 133. 167. BAĪG. P. 5, 19, 18. Verz. d. Oxf. H. 10, a, Anm. 1. 148, b, 35. COLEBR. Misc. Ess. II, 284. °माहात्म्य MACK. Coll. I, 72.

तुङ्गमुख (तुङ्ग + मुख) m. Rhinoceros; s. u. तुङ्ग 2, d.

तुङ्गवीज (तुङ्ग + वीज) Quecksilber (aus gewölbten Samenkörnern bestehend) SÜRJAS. 13, 17.

तुङ्गवेणा (तुङ्ग + वेणा) f. N. pr. eines Flusses im Dekhan MBH. 3, 14233. 6, 335. VP. 183.

तुङ्गशेखर (तुङ्ग + शेख) m. Berg ÇABDAR. im ÇKDR.

तुङ्गशैल (तुङ्ग + शैल) m. der hohe Berg, N. pr. eines Berges mit einem Tempel des Çiva: °माहात्म्य MACK. Coll. I, 72.

तुङ्गिन् (von तुङ्ग) 1) adj. eine Höhe einnehmend, über Andere hervorragend: तुङ्गिमानः प्रशस्यते PAÑĀT. II, 149. den Höhestand einnehmend (von einem Planeten) ĠJOT. im ÇKDR. — 2) f. तुङ्गिनी N. einer Pflanze, = महाशतावरी RĀGĀN. im ÇKDR.

तुङ्गिनास (तुङ्ग + नास) m. ein best. giftiges Insect SUÇR. 2, 288, 13.

तुङ्गीपति (तुङ्गी Nacht + पति) m. der Mond TRIK. 1, 1, 86.

तुङ्गीश (तुङ्गी + ईश) m. 1) der Mond H. an. 3, 720. MED. Ç. 20. HĀR. 13. — 2) die Sonne ÇABDAR. im ÇKDR. — 3) Bein. Çiva's (vgl. तुङ्गेश्वर) H. an. MED. ÇABDAR. — 4) Bein. Kṛṣṇa's ÇABDAR.

तुङ्गेश्वर (तुङ्ग + ईश्वर) m. der Herr der Höhen, Bein. Çiva's; ein Heiligtum —, Tempel des Çiva: तुङ्गेश्वरं करावासम् RĀGĀ-TAR. 2, 14. तुङ्गेश्वरापणा 6, 190. — Vgl. गिरिश, गिरिश.

1. तुच् f. Kinder, Nachkommenschaft NAIGH. 2, 2. तुचे तनाय तत्सु नो द्वाधीयं आयुर्जिविसे RV. 8, 18, 18. ते नो अय ते अयं तुचे तु नो भवतु व-

III. Theil.

रिवोविद्: 27, 14. 6, 48, 9. तुक् nom. hierher oder zu तुङ् H. 543. 545; vgl. auch तोक, तोकन्.

2. तुच् in अतुच् das Dunkelwerden.

तुच्क 1) adj. leer, nichtig, = प्रून्य AK. 3, 2, 6. H. 1446. = अल्प, तलिन 1426. HĀR. 122. = हीन UNĀDIK. im ÇKDR. तुच्के ऽस्मिन्प्रविणमृगतृष्णार्णवजले PRAB. 76, 12. तुच्के: सक्तं देहेन नद्यैः। अनर्थार्थसंकाशैः BHĪG. P. 7, 7, 45. कलेवर 14, 13. मैयुनादि गृहमेधिसुखम् 9, 45. तुच्कीकर als nichtig betrachten, geringschätzen: तुच्कीकृतसत्तम 5, 10, 25. स्वल्पतुच्कीकृतवियुक्त 12, 1. — 2) f. झा die Indigopflanze BHĪVAPR. im ÇKDR. — 3) n. Spreu UNĀDIK. im ÇKDR. — In der 1sten und 3ten Bed. urspr. wohl = तुष, in der 2ten = तुष्या.

तुच्कक adj. = तुच्क AK. 3, 4, 48, 116.

तुच्कव (von तुच्क) n. Leere, Wesenlosigkeit, Nichtigkeit: तयोरन्यत्वे तुच्कत्वम् KAP. 1, 135. Sch. zu 43.

तुच्कहु (तुच्क + हु) m. Ricinus communis (एराण्ड) ÇABDAR. im ÇKDR.

तुच्कधान्य (तुच्क + धान्य) n. Spreu AK. 3, 4, 4, 5. °धान्यक n. dass. RATNAM. im ÇKDR.

तुच्क्य (von तुच्क), तुच्क्यति leer —, arm machen: कांश्चित्तुच्क्यति प्रपूरयति वा MRĀKU. 178, 4.

तुच्क्य (wie eben) adj. leer, öde, nichtig: तुच्क्येनाभुर्पिकृतं यदासीत् RV. 10, 129, 3. वो यः शर्मो शणामानस्य निन्दितुच्क्यान्कामान्करते सिद्धिदानः 5, 42, 10.

1. तुङ्, तुङ्गत्, तुङ्गते: तुङ्गति, °ते, तुङ्गानं (ein Mal तुङ्गानं und तुङ्गमानं); pass. तुङ्गते; inf. तुङ्गते. 1) schlagen, stossen, schnellen, überh. in rasche, heftige Bewegung versetzen: वृत्रस्य चिद्धिद्येन मर्मं तुङ्गानोशनस्तुङ्गता क्रियेधा: RV. 1, 61, 6. वृष्टोपरिष्ठातुङ्गता वधेन 9, 91, 4. तैतिके तिग्मा तुङ्गसे अनीका 4, 23, 7. तुङ्गानं आयुधा 9, 37, 2. अस्येडं भिया गिर्यश्च दृक्का यावो च भूमा जनुषस्तुङ्गते schlagen an einander oder sind in heftiger Bewegung 1, 61, 14. — 2) ausdrücken, hinausschnellen, ausspreizen: तुङ्गति (du. nach Padap., kann aber 3. sg. sein) वृष्ट्यं पर्यः परिदाय रमं डुक्ते RV. 1, 103, 2. एवा तं इन्दो रमं तुङ्गति 9, 79, 5. एष कितो विनीयते ऽतः प्रुध्रवता पथा । यदी तुङ्गति भूर्णयः 13, 3. रयिं तुङ्गानो अग्निवाजमर्य 87, 6. सुरतेसा अवंसा तुङ्गमाना अग्निप्याम पतनापूरुदेवान् uns ergiessend 3, 1, 16. — 3) anstossen so v. a. anreizen, antreiben, instigare; pass. aufgebracht sein: भूर्रे चिद्धि तुङ्गतो मर्त्यस्य सुपारितो वसवो बर्हणावत् RV. 3, 39, 8. विश्वेषु हि वा सर्वनेषु तुङ्गते समानमेकं वर्षमणयवः पृथक् 1, 131, 2. क ईषते तुङ्गते को बिभाय 84, 17. तौ देवा अक्वि-युषस्तुङ्गमानास आयुषः 11, 5; vgl. NAIGH. 2, 15. — 4) तुङ्गति = दानकर्मन् NAIGH. 3, 20. Nir. 6, 17. तुङ्, तुङ्गति schlagen, verletzen (हिंसायाम्) DUĀTUR. 7, 70. तुङ्गति पालने, nach Anderen wahren und हिंसायाम्, प्राणे und बले 71. der Sautra- Wurzel तुङ् wird die Bed. weg gegeben. — caus. 1) antreiben, fördern: चोदः कुवित्तुङ्ग्यात्सातये धियः RV. 1, 143, 6. — 2) in rascher Bewegung —, im Schwung —, im Lauf sein: प्रति स्मरेयो तुङ्गयद्दिवैः RV. 7, 104, 7. Häufig partic. तूतुङ्गानं und तूतुङ्गानं eilig, rasch, eifrig NAIGH. 2, 15. Nir. 6, 20. P. 6, 1, 7. अस्मा इड् प्र भरा तूतुङ्गानो वृत्राय वज्रमीशनः क्रियेधा: RV. 1, 61, 12. इन्द्रा योक्त् तूतुङ्गानः 3, 6. 129, 1. 8, 13, 11. प्रावतेकि तनये तूतुङ्गाना (गीः) 7, 84, 5. झा वीं तोकि तनये तूतुङ्गानाः सुरत्वतो देववीतिं गमेम 67, 6. झा वा सूरिः पृणति तूतुङ्गानो यूथवा-

23